Std- 3 (Hindi Lit.)

झील का चाँद

शब्दार्थ

काफ़ी - बहुत

ज़ख्मी - घायल

शिला - पत्थर, चट्टान

पधारे - आए

नाराज़ - गुस्सा

दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:-

1. चतुर्दन्त कौन था?

उत्तर:- चतुर्दन्त हाथियों का राजा था।

2. हाथियों का झुंड दूसरी झील में क्यों गया?

उत्तर:- वर्षा नहीं होने के कारण वहाँ सूखा पड़ा था। सारे तालाब, नदी-नाले सूख गए थे, इसलिए हाथियों का झुंड दूसरी झील में गया।

3. खरगोशों के मुखिया ने सभा क्यों बुलाई?

उत्तर:- हाथियों के पैरों के नीचे आकर बहुत से खरगोश मारे गए और बहुत से ज़ख्मी हुए थे। इससे बचने का उपाय सोचने के लिए खरगोशों के मुखिया ने सभा बुलाई।

4. सभा में बूढ़े खरगोश ने क्या सलाह दी?

उत्तर:- सभा में बूढ़े खरगोश ने सलाह दी कि उन्हें किसी ढंग से हाथियों को डरा देना चाहिए।

5. लंबकर्ण कहाँ गया?

उत्तर:- लंबकर्ण खरगोशों का दूत बनकर हाथियों के राजा के पास गया।

6. गजराज ने झील में तैरते चंद्रमा से माफ़ी क्यों माँगी?

उत्तर:- लंबकर्ण द्वारा यह कहने पर कि चंद्रमा महाराज झील में पधारे हैं तथा हाथियों से बहुत नाराज़ हैं ,क्योंकि हाथियों ने उनके साथियों को मार डाला। वे हाथियों को दंड देंगे, इसलिए गजराज ने झील में तैरते चंद्रमा से माफ़ी माँगी।

7. इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर :- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें संकट के समय बुद्धिमानी तथा चतुराई से उपाय सोचकर उसका समाधान ढूँढना चाहिए ,जिससे संकट दूर हो सकें।

8. किसने कहा?

१."किसी के पास है कोई उपाय।" -- खरगोशों के मुखिया ने कहा।

२." हमें किसी ढंग से हाथियों को डरा देना चाहिए।" - एक बूढ़ा खरगोश बोला।

३."मैं आपका दूत बनकर वहाँ जाता हूँ।" - लंबकर्ण बोला।

४.".मुझे चंद्र महाराज के दर्शन कराओ।" - गजराज बोला

५."हाँ! मुझे एक ऐसी झील का पता है।" - चतुर्दन्त बोला।

9.नीचे लिखे वाक्यों में से जातिवाचक संज्ञा शब्द छाँटकर अलग लिखें।

1.तालाब सूखने से हाथी परेशान हो गए। :- तालाब, हाथी।

२.इस नदी का पानी सूखने लगा है। :- नदी

३ झील के किनारे अनेक खरगोश रहते थे। :- झील, खरगोश ।

४. लंबकर्ण ऊँची शिला पर बैठ गया। :- शिला।

५.हम अपना घर नहीं छोड़ेंगे। :- घर।